

**प्रावृट स्त्री.** (तत्.) 1. वर्षा ऋतु, वर्षा-काल, पावस, बरसात 2. मौसमी हवा।

**प्रावृत वि.** (तत्.) विशेष रूप से घिरा हुआ पुं. ओढ़ने का वस्त्र, चादर, उत्तरीय।

**प्रावृति स्त्री.** (तत्.) 1. घेरा, बाड़, आड़ 2. आध्यात्मिक अंधकार।

**प्रावृत्तिक वि.** (तत्.) गौण, अप्रधान पुं. संदेशवाहक दूत।

**प्रावृष पुं.** (तत्.) प्रावृट, वर्षा ऋतु।

**प्रावेशिक वि.** (तत्.) 1. प्रवेश संबंधी 2. जिसके द्वारा रंगशाला अथवा रंग भवन में प्रवेश मिले 3. प्रवेश का कारण अथवा प्रवेश का साधन 4. प्रवेश करने के लिए शुभ।

**प्राश पुं.** (तत्.) 1. भोजन करना 2. भोजन चखना 3. निर्वाह करना 4. पुष्ट होना 5. आधार 6. भोजन।

**प्राशक वि.** (तत्.) 1. खाने वाला 2. चखने वाला।

**प्राशन पुं.** (तत्.) 1. भोजन करना, खाना 2. भोजन कराना, खिलाना 3. भोज्य पदार्थ, भोजन, आधार।

**प्राशनीय वि.** (तत्.) खाए जाने योग्य, खाद्य पुं. खाने की वस्तु, भोजन सामग्री।

**प्राशस्त्य पुं.** (तत्.) श्रेष्ठता, स्तुत्यता, प्रमुखता, उत्कृष्टता।

**प्राशित वि.** (तत्.) खाया हुआ, चखा हुआ, भक्षित, उपयुक्त पु. 1. भक्षण 2. पितरों को दिया जाने वाला उदकदान तथा पिंडदान, पितरों के और्ध्वदैहिक संस्कार।

**प्राशी वि.** (तत्.) खाने वाला, चखने वाला, प्राशक।

**प्राशिनक पुं.** (तत्.) 1. प्रश्न पूछने वाला व्यक्ति, प्रश्न-कर्ता 2. प्रश्न-पत्र तैयार करने वाला, परीक्षक 3. मध्यस्थ, विवाचक, न्यायाधीश वि. 1. प्रशा. पूछने वाला 2. जो प्रश्न के रूप में हो 3. प्रश्न से संबद्ध 4. जो अनेक प्रश्न पूछे 5. पूछताछ करने वाला 6. वह कागज आदि जिस पर अनेक प्रश्न लिखे हुए हों।

**प्रासंग पुं.** (तत्.) 1. तुला, तराजू 2. तराजू की डंडी, तुला-दंड, पासंग।

**प्रासंगिक वि.** (तत्.) 1. किसी प्रसंग से संबंधित, प्रसंग का आनुषंगिक 2. चल रहे, प्रस्तुत प्रसंग से संबद्ध 3 किसी विशेष घटना, विषय, बात आदि से संगत, अवसरानुकूल, समयोचित 4. किसी विशिष्ट अवसर, प्रसंग से संबंध 5. जो संयोगवश असंभाव्य रूप से हुआ हो 6. किसी कथा तथा उपाख्यान आदि में घटित।

**प्रासंगिक अनुदान पुं.** (तत्.) प्रशा. अनिश्चित, आकस्मिक एवं फुटकर खर्च के लिए शासन अथवा संस्था आदि की ओर से किसी व्यक्ति अथवा संस्था को दी जाने वाली आर्थिक सहायता।

**प्रासंगिक अर्थ पुं.** (तत्.) कोश. 1. शब्द का किसी विशेष संदर्भ में उपलब्ध अर्थ 2. शब्द का किसी विशेष प्रयोग पर आधारित अर्थ जो सामान्य तथा प्रचलित न हो।

**प्रासंगिक कथा स्त्री.** (तत्.) काव्य. महाकाव्य, नाटक आदि में मुख्य कथा से भिन्न गौण कथा जो विशेष प्रसंगों में मुख्य कथा की सहायक होती है जैसे- रामायण में राम की मुख्य कथा के साथ सुग्रीव आदि की कथाएँ सहायक कथाएँ हैं।

**प्रासंगिकता स्त्री.** (तत्.) 1. प्रासंगिक होने का गुण अथवा भाव, प्रसंगानुकूलता, प्रसंगानुरूपता 2. लेख/पुस्तक आदि का किसी विषय से संबंध होने का गुण।

**प्रासंगिक देयता स्त्री.** (तत्.) वाणि. किसी विशिष्ट घटना पर आश्रित देनदारी का दायित्व जैसे- किसी बैंक आदि से लिए गए प्रतिश्रुत ऋण का भुगतान न कर पाने पर उसे चुकाने का उत्तरदायित्व।

**प्रासंगिक प्रभार पुं.** (तत्.) प्रशा. 1. मुख्य खर्च के साथ परिस्थितियों के अनुसार किए जाने वाले अन्य खर्च यथा- यात्रा के समय टिकट आदि के मुख्य खर्च के साथ विशिष्ट परिस्थितियों में कुली, टैक्सी आदि पर किया जाने वाला खर्च 2.